13 / 09 / 74 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

मुरब्बी बच्चे बन अपनी स्टेज को योग-युक्त व युक्ति-युक्त अनुभव करना

➢➢ बापदादा से मिले स्नेह से स्वयं को विशेष आत्मा अनुभव करना

➳ _ ➳ याद में मग्न और सजल हुए नयन और मैं आत्मा बुद्धि रूपी विमान से पहुंची मधुबन...

→ स्नेह प्यार की तुझसे बाबा बाँधी है जीवन डोर, बाँधी है जीवन ड़ोर...

→ पावन भूमि पर पहुंचते ही बाबा जैसे बांहे पसारे खडे है इंतजार मे आओ मेरे मीठे मुरब्बी बच्चे आओ...

→ मैं आत्मा बाबा के कमरे में बापदादा के सम्मुख जाकर बैठ जाती हूं... बापदादा मेरे सिर पर हाथ फेरते हुए बडे प्यार से निहार रहे है...

→ बापदादा से निरंतर आती शक्तियों की अविरल धारा के झरने के नीचे स्वयं को विशेष आत्मा अनुभव कर रही हूं...

■ मैं आत्मा सर्व शक्तियों और सर्व गुणों से भरपूर हो अपने को लाइट और माइट अनुभव कर रही हूं...

→ बापदादा से मिली शक्तियों से भरपूर होकर अपना ज्योतिर्स्वरूप धारण मैं आत्मा पहुंच जाती हूं अपने स्वीट होम में...

→ जहां मै आत्मा गहन शांति का अनुभव कर रही हूं...

→ शिव बाबा से आती अनन्त किरणों से मैं आत्मा सातो गुणों को अपने मे समाती जा रही हूं...

→ सर्वशक्तिमान मेरे प्यारे बाबा से शक्ति की किरणों की वर्षा मुझ पर निरंतर हो रही है और मै आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान बनती जा रही हूं...

■ बाबा से आती शक्तियों की किरणों से मैं आत्मा सर्वशक्तियों का स्टाक जमा करती जा रही हूं और चारों और फैलाती जा रही हूं...

■ जिस आत्मा को जो शक्ति चाहिए वो देती जा रही हूं...

■ शक्तियों से भरपूर होकर वो शक्तिहीन निर्बल आत्मायें अपने को शक्तिशाली बलवान अनुभव कर रही हैं...

■ मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान हूं...

➳ _ ➳ सुख के सागर से आती पीले रंग की किरणें निरंतर मुझ आत्मा मे समाती जा रही है और मैं आत्मा विश्व की सर्व आत्माओ को सुख की किरणें देती जा रही हूं...

→ सब के कष्ट दुख पीडा समाप्त होते जा रहे है और सर्व आत्मायें सुख का अनुभव कर रही हैं...

→ मैं आत्मा मास्टर शांति का सागर बन शांति का दूत बन चारों और शांति की वायब्रेशनस फैला रही हूं...

→ अशांत आत्मायें शांति का अनुभव कर रही है...

→ बाबा से मिले खजानो और शक्तियों से अपनी झोली भर मैं साकारी लोक मे आ जाती हूं और बापदादा के साथ कम्बाइंड स्थिति का अनुभव कर रही हूं...

➳ _ ➳ मैं बाबा का मुरब्बी बच्चा हूं ऐसा अनुभव कर रही हूं

→ बाबा का स्नेह और हर कदम पर मदद मैं आत्मा हमेशा अनुभव करती हूं...

→ बाबा से मिली विशेषताओं, गुणो को प्रेक्टिकल मे यूजकर उनका स्वरुप बन मैं आत्मा बाप समान बनने का पुरुषार्थ कर रही हूं...

→ बाबा की श्रीमत पर चलते अपने को निमित समझ विश्व परिवर्तन के कार्य मे सहयोगी बन रही हूं...

→ मैं आत्मा याद का बल भर और पावरफुल स्थिति से सम्पर्क मे आने वाली स्वयं भी मेहनत मुक्त रहती हूं और सम्पर्क मे आने वाली आत्माओं को मेहनत और मुश्किल से मुक्त कर उनकी सहयोगी बनती जा रही हूं...

➳ _ ➳ मैं आत्मा अपनी चेकिंग करती हूं कि मुझ आत्मा मे सर्व शक्तियों का स्टाक जमा हुआ है या नही

→ क्योकि जिस शक्ति की कमी है उसी के रूप मे परीक्षा आती है

→ मैं आत्मा अपनी चेकिंग करते हुए जिस भी शक्ति की कमी है उस शक्ति को बाबा की याद से भर रही हूं...

■ इस संगमयुग के वरदानी समय में मुझ आत्मा को स्व पुरुषार्थ कर अपनी सर्वशक्तियों के स्टाक को जमा करना है...

→ एक की याद के बल से मैं आत्मा चाहे कैसी भी परिस्थिति आये निश्चयबुद्धि होकर हर पेपर को पास कर आगे बढती जा रही हूं...

→ बाबा से जिगरी स्नेह होने से हर कदम पर बाबा मेरे साथ है व बाबा के हाथो मे मेरा हाथ है...

■ ऐसा अनुभव करती मै आत्मा कैसी भी आपदा आये अपने को सेफ अनुभव करती हूं...

→ मैं आत्मा परमात्म स्नेह में झूलती अन्य आत्माओं मे भी उमंग उत्साह भर स्वयं ही आगे बढती जा रही हूं...

→ बाबा से मिली शक्तियों व गुणों को धारण कर एक की ही श्रेष्ठ मत पर चलते योगयुक्त स्थिति का अनुभव कर रही हूं...